भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न सं. *261

जिसका उत्तर 12.08.2026 को दिया जाना है

पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क निर्माण और भूस्खलन का खतरा

*261 श्री विवेक के. तन्खा:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष में पर्वतीय राज्यों में सड़क निर्माण और विस्फोट के कारण हुए भूस्खलनों की संख्या कितनी है तथा इसके परिणामस्वरूप जान-माल और वन क्षेत्र को कितना नुकसान हुआ है;

(ख) क्या भूस्खलन-प्रवण क्षेत्रों में सड़क परियोजनाओं को मंजूरी देने से पूर्व भूवैज्ञानिक प्रभाव संबंधी आकलन किया जाना अनिवार्य है, यदि हां, तो गत तीन वर्षों में ऐसे आकलन के बिना अनुमोदित सड़क परियोजनाओं की संख्या कितनी है; और

(ग) पर्वतीय सड़क निर्माण में ढलान स्थिरीकरण और जल निकासी हेतु क्या मानक निर्धारित किए गए हैं तथा इनके प्रवर्तन हेतु कौन सा अभिकरण उत्तरदायी है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क निर्माण और भूस्खलन का खतरा" के संबंध में श्री विवेक के. तन्खा द्वारा पूछे गए दिनांक 12.08.2026 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या *261 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) सरकार का सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास और रखरखाव के लिए उत्तरदायी है। सामान्यतः, हिमालय क्षेत्र और पश्चिमी घाट खंडों में बार-बार भूस्खलन हुआ है जिससे एनएच खंडों सहित बुनियादी ढांचे को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। पहाड़ी राज्यों में एनएच खंडों पर भूस्खलन मुख्य रूप से अत्यधिक वर्षा और अचानक आने वाली बाढ़ की स्थिति के कारण रिपोर्ट किए गए हैं, जिनमें से कुछ अनुचित निर्माण प्रक्रियाओं/ तकनीकों आदि के कारण भी हैं, जिससे कुछ जानमाल और वन आवरण का नुकसान हुआ है।

एनएच खंडों को यातायात योग्य स्थिति में बहाल करने के लिए संबंधित निष्पादन एजेंसियों द्वारा तत्काल आधार पर मलबा हटाने, विन्यास कटाई और अन्य आवश्यक उपाय किए जाते हैं। समय-समय पर विस्तृत अध्ययन और जांच के आधार पर एनएच पर भूस्खलन प्रवण क्षेत्रों के सुधारात्मक उपाय भी किए जाते हैं।

गत तीन वर्षों के दौरान एनएच खंडों पर भूस्खलन की प्रमुख घटनाओं का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)-वार विवरण और विभिन्न कारणों से होने वाले भूस्खलन की जानकारी **अनुलग्नक** में दी गई है।

(ख) और (ग) सभी एनएच विकास/ स्तरोन्नयन परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के दौरान वर्षा, उच्च बाढ़ स्तर, जलवायु, भूभाग के प्रकार, मिट्टी की श्रेणी आदि पहलुओं पर अनिवार्य रूप से विचार किया जाता है। इसके अलावा, निर्माण के दौरान पहाड़ी ढलानों की विफलताओं से प्राप्त सीख के आधार पर, सरकार ने आपदा प्रतिरोधी एनएच अवसंरचना के विकास के लिए विभिन्न पहलें की हैं, जिनमें शामिल हैं: -

i. विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के भाग के रूप में ढलान अध्ययन और स्थिरीकरण को शामिल करने के लिए परामर्शदाता। संपत्ति और अवसंरचना को नुकसान से बचाने के लिए मार्गाधिकार (आरओडब्ल्यू) के भीतर और बाहर दोनों जगह भूवैज्ञानिक और भू-तकनीकी जांच किया जाना है। इसके अलावा, कैच वाटर नालियों, कैच पिट के साथ साइड नालियों, कट ऑफ नालियों, क्रॉस ड्रेनेज आदि के निर्माण पर विशेष जोर दिया जाना।
ii. पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन संभावित क्षेत्रों के लिए पहाड़ी ढलान स्थिरता की जांच करने और लागत प्रभावी दीर्घकालिक स्थिरीकरण उपायों का चयन करने के लिए मानकीकृत मानकों का कार्यान्वयन।
iii. पहाड़ी निर्माण पद्धति परिष्कृत हुई है जो प्रारंभिक निर्माण के लिए केवल पहाड़ी कटाई और ढलान सुरक्षा और बाद में राजमार्ग निर्माण केवल स्थिर कटाई विन्यास और सुरक्षा कार्य उपरांत अनिवार्य करती है।

iv. पहाड़ी क्षेत्रों के लिए डीपीआर परामर्शदाता और मानक इंजीनियरिंग, प्रापण और निर्माण (ईपीसी) अनुबंध दस्तावेज़ के लिए प्रस्ताव के लिए मानक अनुरोध (आरएफपी) दस्तावेज़ में संशोधन किए गए हैं, जिसमें पहाड़ी क्षेत्रों के लिए विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के प्रावधानों को शामिल करने के लिए संशोधन किए गए हैं।

v. डीपीआर परामर्शदाता को अनिवार्य रूप से राष्ट्रीय आपदा आपातकालीन प्रबंधन (एनडीईएम) पोर्टल डेटासेट के आधार पर विश्लेषण शामिल करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें मार्ग संरेखण अनुकूलन, बाढ़ और जल निकासी योजना, जोखिम और भेद्यता मूल्यांकन, पर्यावरणीय और सामाजिक स्क्रीनिंग, पहाड़ी सड़कों के मामले में भूस्खलन जोखिम मानचित्रण के पहलुओं को शामिल किया गया है। एनडीईएम पोर्टल में गत तीस वर्षों के बाढ़ के इतिहास के पैटर्न की बहुत महत्वपूर्ण भू-स्थानिक परतें, जल निकासी परतें, और नदी बेसिन नेटवर्क (क्रॉस-ड्रेनेज संरचना डिजाइन और हाइड्रोलिक विश्लेषण के लिए), बाढ़ के मैदान और जलमग्न क्षेत्र (बाढ़-प्रवण क्षेत्रों की पहचान के लिए), मिट्टी और भू-तकनीकी परतें (भू-तकनीकी व्यवहार्यता और फुटपाथ डिजाइन पर विचारों के लिए) आदि शामिल हैं।

vi. ऐसे क्षेत्रों में एनएच पर सुरक्षा बढ़ाने हेतु स्थायी जैव-इंजीनियरिंग उपायों जैसे कि कॉयर/ जूट मैट हाइड्रोसीडिंग, हरित पट्टियों के साथ इंटरलिंक्ड चेन मेश, सीढ़ीदार बर्म द्वारा बांस पाइलिंग और जूट मैटिंग पर वेटिवर घास रोपण के साथ कटाव नियंत्रण आदि का कार्यान्वयन।

vii. बाढ़, ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ), भूस्खलन, हिमस्खलन या किसी अन्य प्राकृतिक विपत्ति आदि या आपदा के दौरान आपातकालीन मरम्मत कार्यों के मामले में फील्ड अधिकारियों को शक्तियों के प्रत्यायोजन के साथ जारी की गई मानक संचालन प्रक्रिया।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर जल निकासी प्रणालियों को अपेक्षित यातायात, सड़क के महत्व और विन्यास, जल के स्रोत, जल विज्ञान और जलग्रहण क्षेत्र की जल-भूगर्भिक स्थितियां, सड़क की ज्यामितीय विशेषताएं, अत्यधिक ढलान और क्रॉस ढलान की उपस्थिति, खुदाई और लैंडफिल के क्षेत्र, मौजूदा जल निकासी प्रणालियों आदि को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। साथ ही, स्थल की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त पुलियों का प्रावधान और मौजूदा जल निकासी प्रणाली की प्रवाह (डिस्चार्ज) क्षमता का उन्नयन किया गया है।

तदनुसार, एनएच खंडों पर निर्माण गतिविधियां, जिसमें जल निकासी प्रणालियां और ढलान सुरक्षा/स्थिरीकरण के लिए प्रावधान/उपाय शामिल हैं, मानक विनिर्देशों और भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) कोड के अनुसार, संविदाकार/रियायतग्राही द्वारा परियोजना के लिए अनुबंध के दायरे में किए जाते हैं।

.

अनुलग्नक

"पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क निर्माण और भूस्खलन का खतरा" के संबंध में श्री विवेक के. तन्खा द्वारा पूछे गए दिनांक 12.08.2026 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या *261 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

विगत तीन वर्षों के दौरान एनएच खंडों पर विभिन्न कारणों के कारण हुई भूस्खलन की प्रमुख घटनाओं का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण: -

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
अरुणाचल प्रदेश	1	लालपुल-मनमाओ-चांगलांग - एनएच-215	2025, 2026	चैनेज 67+200, 19+200 और 7+800 पर भूस्खलन हुआ, जिससे प्रभावित क्षेत्र 100 मीटर तक फैला हुआ था।	मलबा हटा दिया गया और सड़क यातायात के लिए खोल दी गई।
	2	खोंसा-तिस्सा-लोंगडिंग खंड (एलटीके रोड) - एनएच-215	2024	चैनेज 21.440, 24.690 और 28.295 (लुथोंग प्वाइंट) पर भूस्खलन की आशंका वाले स्थान, जिनमें सड़क का धंसना भी शामिल है।	ढलान संरक्षण और भूस्खलन शमन कार्य शुरू कर दिया गया है।
	3	हुकनजुरी-खोंसा रोड (एचके रोड) - एनएच-315ए	2025	अचानक आई बाढ़ ने चैनेज 10.088 से 10.170 तक सड़क निर्माण को बहा दिया और चैनेज 12.900 से 12.990 तक भारी भूस्खलन हुआ।	ढलान संरक्षण और भूस्खलन शमन के उपाय शुरू कर दिए गए हैं।
	4	चांगलांग-खोंसा रोड (सीके रोड) - एनएच-215	2025, 2026	चैनेज 41.495-41.540 पर प्रमुख भूस्खलन-सह-धंसाव क्षेत्र और चैनेज 7.000 पर भूस्खलन।	स्थायी ढलान संरक्षण/शमन के लिए डीपीआर तैयार किया गया; अस्थायी बहाली और सफाई का कार्य किया गया।
	5	पासीघाट-पांगिन सड़क खंड - एनएच-13	2024, 2025, 2026	पासीघाट-पांगिन रोड के किनारे कई स्थानों पर भूस्खलन-संभावित स्थानों की सूचना मिली है; 6.100,	ढलान संरक्षण/शमन कार्य पूरा हो गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				7.200, 20.200, 43.200 और 47.100 किमी पर भी भू-विभाजन हुआ है, जबकि 57.300 किमी पर भू-पथ में दरार पाई गई है।	
	6	पासीघाट-सिंगर खंड - एनएच-513	2023, 2025, 2026	3.900 किमी और 18.000 किमी के बीच कई स्थानों पर भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों की सूचना मिली है।	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया है, ढलान संरक्षण और भूस्खलन शमन के उपाय शुरू कर दिए गए हैं।
	7	सिंगर-सिझोन खंड - एनएच-513	2025, 2026	भूस्खलन के स्थान किमी 22.500, किमी 25.200, किमी 25.780, किमी 27.980, किमी 33.780, किमी 33.880, किमी 34.500 और किमी 37.485 पर दर्ज किए गए हैं।	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया है, ढलान संरक्षण और भूस्खलन शमन के उपाय शुरू कर दिए गए हैं।
	8	सिझोन-गोबुक खंड - एनएच-513	2023, 2025	किमी 44.005 और किमी 79.900 के बीच कई स्थानों पर भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों की सूचना मिली है; किमी 51.000 पर भू-आकृति में दरार पाई गई है।	ढलान संरक्षण और भूस्खलन शमन के उपाय शुरू कर दिए गए हैं।
	9	गोबुक-यिंगकियोंग खंड - एनएच-513	2023, 2025, 2026	भूस्खलन के स्थान किमी 87.824, किमी 88.470, किमी 90.774, किमी 96.000, किमी 101.814 और किमी 112.500 पर दर्ज किए गए हैं।	ढलान संरक्षण और भूस्खलन शमन के उपाय शुरू किए गए; मलबा साफ किया गया।
	10	एनएच-113 - एरोवा-	2024,	चैनेज 77+500,	चैनेज 77+500 पर

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
		खुपा-हयुलियांग	2025, 2026	84+400, 82+600 और 87+650 पर भूस्खलन हुआ।	मरम्मत कार्य किया गया; सड़क यातायात के लिए खोल दी गई।
	11	एनएच-13 - डेम्वे-ब्रह्मकुंड (OTI)	2026	चैनेज 740+840 और 742+050 पर भूस्खलन हुआ।	भूस्खलन का रास्ता साफ कर दिया गया है। सड़क बह जाने के पश्चात् मरम्मत का कार्य जारी है।
	12	नृम्बंगलो-जटिंगा जंक्शन-हरंगाजाओ, एनएच-27	2026	चैनेज 24+300, 43+100 और 44+600 पर कई भूस्खलन के कारण ढलान ढह गए, मलबा जमा हो गया और यातायात बाधित हो गया।	मलबा हटा दिया गया; ढलान को समतल करने, खंभों और गैबियन की दीवार बनाने का कार्य शुरू किया गया।
	13	हाथीकाली-ब्रिम्बांगलो, एनएच-27	2024	चैनेज 97+280 और 122+500 पर वर्षा के कारण कीचड़/मलबे का बहाव और पहाड़ी भूस्खलन।	मलबा हटा दिया गया; नालियों और फुटपाथ की मरम्मत कर दी गई।
	14	बलाचेरा-सिलचर, एनएच-27	2025	चैनेज 292+350-292+900 के बीच भारी भूस्खलन के मलबे से नालियों और फुटपाथ को क्षति पहुंचा है।	मलबा हटा दिया गया; नालियों और फुटपाथ की मरम्मत कर दी गई।
	15	ताराजुली-डोलोइहाट तिनियाली-लखीमपुर-चरैमोरिया-बालिजान-गोगामुख, एनएच-15	2025, 2026	किमी 308.800-310.000 पर भूस्खलन, कीचड़ और मिट्टी के बहाव के कारण आंशिक रूप से यातायात बाधित हो गया है।	भूस्खलन का मलबा हटा दिया गया है।
	16	किमी 315.315-344.000, एनएच-715 (पुराना एनएच-37)	2025, 2026	किमी 336.620-338.450 पर भूस्खलन, कीचड़ और मिट्टी के बहाव के कारण आंशिक रूप से यातायात बाधित हो	भूस्खलन का मलबा हटा दिया गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				गया है।	
	17	एनएच-27 - बालाचेरा से हरंगाजाओ तक	2025, 2026	भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ, जिससे 2025 में एलएचएस और 2026 में आरएचएस प्रभावित हुए।	कीचड़, मिट्टी और मलबे को हटाने का कार्य शुरू हो गया है।
गोवा	18	पत्रादेवी-करासवाड़ा, एनएच-66	2024	मालपे के पास किमी 486+825-487+095 पर भूस्खलन हुआ, जिससे सड़क ढक गई और दीवार क्षतिग्रस्त हो गई।	सीढ़ीदार बेंचिंग, हाइड्रोसीडिंग, जियोसिंथेटिक मैट और यू-पिन एंकर के साथ वायर मेश; जल निकासी की व्यवस्था की गई है।
	19	जुआरी ब्रिज दृष्टिकोण, एनएच-66	2024	ज़ुआरी पुल के पास किमी 532+300-532+600 पर भूस्खलन हुआ, जिससे सर्विस रोड मलबे से ढक गई।	गैबियन दीवार, जियोग्रिड, संरचनात्मक बैकफिल, बर्म ड्रेन और छिद्रित जल निकासी की व्यवस्था की गई है।
	20	एनएच-748 के किमी 84-143	2025	अनमोद घाट के पास 87 किमी पर भूस्खलन; आधी लेन उखड़कर घाटी में गिर गई।	माइक्रोपाइल्स और ग्राउटेड सॉइल नेलिंग का उपयोग करके बनाई गई रिटेनिंग वॉल।
हिमाचल प्रदेश	21	परवानू-सोलन, एनएच-22	2023	भारी बारिश के कारण राजमार्ग 29 स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया।	जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो गया है।
	22	शिमला-दासरां, एनएच-205	2025	भारी बारिश से 8 रिटेनिंग वॉल और 1 ब्रेस्ट वॉल क्षतिग्रस्त हो गईं।	जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया।
	23	किरतपुर-नेरचौक, एनएच-21 (पैकेज I और II)	2025	प्राकृतिक आपदा - किरतपुर-नेरचौक मार्ग पर भूस्खलन हुआ।	मलबा हटा दिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
	24	नेरचौक-पांडोह जिसमें पांडोह बाईपास, एनएच-21 शामिल है	2023, 2025	प्राकृतिक आपदा - भूस्खलन।	मलबा हटा दिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
	25	पांडोह बाईपास-	2025	प्राकृतिक आपदा -	मलबा हटा दिया गया है

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
		टाकोली, एनएच-21		भूस्खलन/अचानक बाढ़/बादल फटना।	और यातायात बहाल कर दिया गया है।
	26	टाकोली-कुल्लू, एनएच-21	2023, 2025	प्राकृतिक आपदा - भूस्खलन/अचानक बाढ़/बादल फटना।	मलबा हटा दिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
	27	कुल्लू-मनाली, एनएच-21 (नया एनएच-3)	2023, 2024, 2025	संबंधित वर्षों के दौरान प्राकृतिक आपदा - भूस्खलन/अचानक बाढ़/बादल फटना।	मलबा हटा दिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
	28	भंगबार-कांगड़ा बाईपास	2025	भारी बारिश के कारण चट्टानें खिसक गईं और ढलान को स्थिर करने के लिए किए जा रहे कार्यों को क्षति पहुंचा।	मलबा हटा दिया गया और यातायात बहाल कर दिया गया; ढलान को स्थिर करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।
	29	पंजाब/हिमाचल प्रदेश सीमा - मो, एनएच-20 (नया एनएच-154)	2021, 2025	भारी बारिश के कारण चैनेज 23+500 बाईं ओर और 32+050 दाईं ओर पर सड़क के शोल्डर बह गए।	मलबा हटा दिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
	30	थानपुरी-परोर, एनएच-20 (नया एनएच-154)	2023	मानसून के दौरान पुराने चैनेज 85+300 पर भूस्खलन हुआ।	गैबियन दीवार बनाकर जीर्णोद्धार कार्य पूरा किया गया।
	31	एनएच-05 के किमी 284.00 से 286.00 तक	2023	बादल फटने के कारण सड़क बह गई।	मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
जम्मू और कश्मीर	32	उधमपुर-रामबन, एनएच-44	2025, 2026	2025: बादल फटने/भारी वर्षा के कारण बाली नाला और थाराड में भूस्खलन हुआ, और करोल और कोवबाग में कीचड़/दलदल जमा हो गया। 2026: समरोली के पास देवाल में, किमी 79 पर, बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिससे दोनों सड़कें अवरुद्ध हो गईं और तटबंध क्षतिग्रस्त	जीर्णोद्धार/सफाई का कार्य पूरा हो गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				हो गया।	
	33	रामबन-बनिहाल, एनएच-44	2025, 2026	2025: बादल फटने से सेरी में भारी मात्रा में कीचड़/मलबा जमा हो गया, टनल टी-2 में गंदगी भर गई और केला मोर में भूस्खलन हुआ। 2026: भूस्खलन से दोनों सड़कें अवरुद्ध हो गईं।	जीर्णोद्धार/सफाई का कार्य पूरा हो गया है।
	34	मारोग-डिगडोल, रामबन-बनिहाल, एनएच-44	2025	बादल फटने के कारण मारोग में भूस्खलन हुआ।	जीर्णोद्धार/सफाई का कार्य पूरा हो गया है।
	35	एनएच-244 - चेनानी-सुधमहादेव रोड	2025	वर्षा, अचानक आई बाढ़ और बादल फटने के कारण किमी 1+650 और किमी 14+200 के बीच कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ।	भूस्खलन के पश्चात् रास्ता साफ कर दिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
	36	एनएच-1 - सोनमर्ग सुरंग परियोजना	2023	एक भूस्खलन की घटना की सूचना मिली है।	ऑडिट किया गया और ढलान संरक्षण उपाय स्थापित किए गए।
कर्नाटक	37	हसन-मरनाहल्ली, एनएच-48	2024	मानसून के दौरान किमी 227+900 पर भूस्खलन हुआ, साथ ही अन्य स्थानों पर मामूली ढलान गिरने की घटनाएं हुईं।	मलबा हटा दिया गया; ढलान संरक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है।
	38	गोवा-कर्नाटक सीमा-कुंदापुर, एनएच-66	2024	शिरूर में भारी भूस्खलन के कारण भूस्खलन, किमी 147+900 एलएचएस।	गैबियन दीवार का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।
केरल	39	मौजूदा एनएच-85	2025	भारी वर्षा के कारण किमी 96+500 बाईं ओर भूस्खलन;	सुधार कार्य पूर्ण

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
महाराष्ट्र	40	वडापे-गोंडे	2023	घाटी के किनारे स्थित तटबंध में 120 मीटर का धंसाव।	पाइलिंग, रॉक एंकरिंग और गैबियन दीवार का निर्माण किया गया।
	41	मिरया-हथखम्बा और पाली-अम्बाघाट, एनएच-166	2025, 2026	2025: चैनेज 61+650-61+700 पर मामूली भूस्खलन। 2026: चैनेज 63+700 और 64+100 पर मामूली भूस्खलन।	मलबा हटा दिया गया; रिटेनिंग वॉल और ब्रेस्ट वॉल का निर्माण कार्य रोक दिया गया।
	42	रत्नागिरी-कोल्हापुर, एनएच-166	2026	भारी वर्षा के कारण 69.500-69.700 किमी के बीच स्थित संवेदनशील घाटी खंड में क्षति और दरारें उत्पन्न हो गईं।	क्षेत्र में बैरिकेड लगा दिए गए हैं; यातायात का मार्ग बदल दिया गया है; भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ने का प्रस्ताव है।
	43	वरुणपुरी-सदा जंक्शन और एमपीटी कनेक्टिविटी, एनएच-566	2024	भारी वर्षा और अस्थिर ढलान के कारण भूस्खलन।	100 मीटर लंबी गैबियन दीवार का निर्माण हो गया है और ढलान संरक्षण कार्य पूरा हो गया है।
	44	अहमदनगर बाईपास-खारवंडी कसार, एनएच-61	2025	घाट खंड में भूस्खलन के कारण एक लेन अवरुद्ध हो गई।	दीवार निर्माण कार्य शुरू हो गया है।
	45	लोनंद-शिरवल-भोर-मंडनगढ़-पचरल, हिरदोशी-वरंधा घाट, एनएच-965डीडी	2023, 2024, 2025, 2026	भारी वर्षा के कारण वरंधा घाट में विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन; मलबा जमाव।	मलबा हटा दिया गया; ढलान को कम करने/प्रतिरोधक संरचनाओं का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया।
	46	इंदापुर-वडपाले, एनएच-66	2023, 2024, 2025, 2026	भारी वर्षा के कारण काशेदी घाट में बार-बार भूस्खलन हो रहा है।	मलबा हटा दिया गया; तत्काल यातायात प्रबंधन और ढलान संरक्षण उपाय किए गए।
	47	काशेदी घाट, एनएच-66	2023, 2024, 2025	भारी वर्षा के कारण पुरानी और नई दोनों ही दिशाओं में बार-बार भूस्खलन हो रहा है।	मलबा हटा दिया गया; तत्काल यातायात प्रबंधन और ढलान संरक्षण उपाय किए गए।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
	48	कशेड़ी-परशुराम घाट, एनएच-66	2023, 2024, 2025, 2026	भारी वर्षा के कारण परशुराम घाट में बार-बार भूस्खलन हो रहा है।	मलबा हटा दिया गया; एचटी तार जाल और रॉक नेलिंग का कार्य शुरू हो गया है। रिटेनिंग/ढलान संरक्षण कार्यों का प्रस्ताव है।
	49	राजेवाड़ी-मंडनगढ़, एनएच-965डीडी	2026	भूस्खलन और सड़क किनारे की रेलिंग को क्षति।	मलबा हटा दिया गया; रेलिंग को अस्थायी रूप से बहाल कर दिया गया; रिटेनिंग वॉल और क्लैडिंग का प्रस्ताव है।
	50	वरन्ध-वरन्धा घाट, एनएच-965डीडी	2023, 2024, 2025, 2026	भारी वर्षा के कारण बार-बार भूस्खलन होना; मलबा जमा होना।	मलबा हटा दिया गया; संरचनाओं को बनाए रखने और ढलान की सुरक्षा का प्रस्ताव रखा गया है।
	51	कल्याण-मुरपश्चात्-मालशेज घाट, एनएच-61	2023, 2024, 2025	मालशेज घाट में विभिन्न स्थानों पर बार-बार भूस्खलन हो रहा है।	भूस्खलन का मलबा हटा दिया गया
	52	मोखाडा-जवाहर-विक्रमगढ़-मनोर-पालघर, एनएच-160ए	2023, 2025	विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन।	मलबा हटा दिया गया।
	53	अरावली-कांटे, एनएच-66	2023, 2024, 2025, 2026	भूस्खलन और चट्टान गिरने की घटना।	मलबा हटा दिया गया; भूस्खलन से बचाव के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
	54	तालेरे-गगनबावड़ा घाट, एनएच-166जी	2024, 2025, 2026	भूस्खलन और चट्टान गिरने की घटना।	मलबा हटा दिया गया; भूस्खलन से बचाव के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
मेघालय	55	एनएच-51 - तुरा-दलू खंड	2025	भूस्खलन हुआ	संरक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
	56	एनएच-206 - शिलांग-डावकी खंड, पैकेज-II	2026	लगातार बारिश के कारण चैनेज 10.670 और 37.550 के बीच भूस्खलन हुआ, जिसके परिणामस्वरूप नीचे की ओर अचानक बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई।	जोखिम आकलन, विस्तृत जांच और दीर्घकालिक उपचारात्मक उपायों के लिए आईआईटी गुवाहाटी को नियुक्त किया गया है।
	57	जोवाई-मेघालय/असम सीमा, एनएच-44	2025	मानसून के दौरान बार-बार होने वाले बड़े और छोटे भूस्खलनों ने सड़क मार्ग को प्रभावित किया।	भूस्खलन की रोकथाम और ढलान संरक्षण के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
मिजोरम	58	एनएच-102बी - कीफांग-तुइवई (पैकेज I और II)	2026	चैनेज 03+230-03+270, 17+100-17+150, 24+450-24+500, 38+650-38+700 और 57+420-57+480 सहित कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है।	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य शुरू हो गया है।
	59	एनएच-302 - लुंगलेई-त्लाबुंग (पैकेज ए और बी)	2026	चैनेज 2+600-2+730, चैनेज 3+700 और चैनेज 70+600-70+700 पर भूस्खलन/ढलान विफलताएँ।	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य शुरू हो गया है।
	60	एनएच-02 - आइजोल-तुइपांग (पैकेज 2, 5, 6 और 7)	2026	चैनेज 107+480, 227+600-227+710, 230+700-230+780, 262+920, 280+900, 328+540-328+590 और 328+960-329+080 सहित कई स्थानों पर भूस्खलन।	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य शुरू हो गया है।
	61	एनएच-54/6	2025	भूस्खलन के कारण सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई है।	भूस्खलन का मलबा पूरी तरह से साफ कर दिया गया है।
	62	एनएच-44ए / एनएच-108	2026	भूस्खलन के कारण सड़क पूरी तरह से	भूस्खलन का सारा इलाका पूरी तरह से साफ

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				अवरुद्ध हो गई है।	कर दिया गया है।
	63	किमी 0-38, एनएच-502ए	2023, 2024	बार-बार होने वाले भूस्खलन से सड़क अवरुद्ध हो जाती है।	भूस्खलन के पश्चात् रास्ता साफ कर दिया गया है।
	64	किमी 38-71, एनएच-502ए	2023, 2024	बार-बार होने वाले भूस्खलन से सड़क अवरुद्ध हो जाती है।	भूस्खलन के पश्चात् रास्ता साफ कर दिया गया है।
	65	किमी 71-99.83, एनएच-502ए	2023, 2024	बार-बार होने वाले भूस्खलन से सड़क अवरुद्ध हो जाती है।	भूस्खलन के पश्चात् रास्ता साफ कर दिया गया है।
	66	किमी 89-105, एनएच-06	2025	चैनेज 95.720 और 97.300 पर भूस्खलन के कारण सड़क अवरुद्ध हो गई है।	भूस्खलन के पश्चात् रास्ता साफ कर दिया गया है।
मणिपुर	67	एनएच-129ए - माराम-पेरेन खंड (पैकेज 1ए, 1बी, 2ए, 2बी और 3)	2024, 2025	लगातार बारिश और कमजोर भूवैज्ञानिक स्तरों के कारण चैनेज किमी 0.000 और 109.494 किमी के बीच कई भूस्खलन हुए।	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य पूरा हो गया है।
	68	एनएच-129ए - मरम-पेरेन खंड (पैकेज-2बी)	2026	लगातार बारिश और बार-बार होने वाले भूस्खलन के कारण चैनेज 67+080 से 67+400 (320 मीटर) तक भूस्खलन हुआ।	सफाई का कार्य पूरा हो गया है और मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है।
	69	एनएच-02 - माओ-सेनापति खंड	2024	लगातार बारिश और कमजोर भूवैज्ञानिक परतों के कारण चैनेज किमी 212.325 और किमी 260.000 के बीच कई भूस्खलन हुए।	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य पूरा हो गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
	70	एनएच-02 - इम्फाल-कोहिमा रोड, ताफुकुकी-डेली, डेली-कुराओपोकपी और कुराओपोकपी-सेकमई खंड (पैकेज 4ए, 4बी और 5ए)	2024	चैनेज 262+175 और 297+700 के बीच लगातार बारिश और कमजोर भूवैज्ञानिक स्तरों के कारण कई भूस्खलन हुए।	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य पूरा हो गया है।
	71	एनएच-102ए - उखरुल-टोलोई-तदुबी खंड (पैकेज III और IV)	2024, 2025	लगातार बारिश और कमजोर भूवैज्ञानिक परतों के कारण चैनेज किमी 50.850 और किमी 105.825 के बीच कई भूस्खलन हुए।	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य पूरा हो गया है।
	72	एनएच-137 - तामेंगलोंग-महुर (पैकेज 3 और 5)	2025, 2026	अभूतपूर्व वर्षा के कारण कई भूस्खलन हुए।	सफाई का कार्य पूरा हो गया है और मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है।
	73	एनएच-37 - इंफाल-जिरीबाम (पैकेज-4)	2024	अभूतपूर्व वर्षा के कारण कई भूस्खलन हुए; प्रभावित क्षेत्रों को सीओएस के अंतर्गत सूचीबद्ध किया गया है।	सफाई का कार्य पूरा हो गया है और मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है।
नागालैंड	74	एनएच-29 वाली दीमापुर-कोहिमा सड़क को 4 लेन बनाना	2024	संतृप्त पहाड़ी द्रव्यमान के रिसाव और विस्थापन के कारण किमी 164+000 से किमी 164+060 तक भूस्खलन हुआ।	क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर दी गई है।
	75	एनएच-702 - दो लेन वाली चांगटोंग्या-लोंगलेंग सड़क	2024	पैकेज-I और II में भूस्खलन के साथ कीचड़ का भूस्खलन हुआ।	क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर दी गई है।
	76	जोत्सोमा बाईपास जंक्शन-लेरी वेलकम गेट, एनएच-29	2026	बार-बार भूस्खलन होना।	भूस्खलन का रास्ता साफ कर दिया गया है।
	77	किमी 185-220, एनएच-02	2026	बड़े भूस्खलन के कारण सड़क में उभार/टेढ़ापन, मलबा जमाव और	जीर्णोद्धार कार्य शुरू हो गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				फुटपाथ का टूटना हुआ।	
ओडिशा	78	सिंगारा-बिंझाबहाल, एनएच-49	2025	चैनेज 382+000-384+750 के बीच कई स्थानों पर लगातार बारिश के कारण भूस्खलन हुआ।	मलबा हटा दिया गया है और ढलान संरक्षण के उपाय किए गए हैं।
राजस्थान	79	ब्यावर-गोमती, पैकेज-III, एनएच-58	2023, 2024, 2025, 2026	उच्च चट्टानी कटाव वाले क्षेत्रों (25-35 मीटर ऊंचे) में बार-बार मानसून के कारण भूस्खलन होता है।	मलबा हटा दिया गया है।
सिक्किम	80	एनएच-717ए - रेनॉक-रोराथांग-पाक्योंग	2023, 2024, 2025, 2026	प्रतिवर्ष कई भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की जाती हैं। 2022 से 2024 के दौरान 5 स्थान, 2025 के दौरान 7 स्थान और 2026 के दौरान 9 स्थान भूस्खलन की घटनाएं हुईं।	भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों की सफाई का कार्य शुरू हो गया है। भूस्खलन/धंसने वाले क्षेत्रों के लिए शमन उपायों हेतु डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।
	81	एनएच-717ए - रानीपूल-पाक्योंग	2026	किमी 1+520 और किमी 15+010 पर 02 भूस्खलन हुए।	भूस्खलन के पश्चात् सड़क साफ कर दी गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।
	82	एनएच-717बी- रोंगली बाजार से रोंगली बाईपास तक	2023, 2024, 2025, 2026	पैकेज-IIए और IIबी के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन की सूचना मिली है। 2023 में 01, 2024 में 01, 2025 में 01 और 2026 में 04 भूस्खलन हुए हैं।	भूस्खलन के पश्चात् सड़क साफ कर दी गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।
	83	एनएच-717बी - बारापथिंग के लिए नई भूमिका	2023, 2024, 2025, 2026	2023 और 2024 में 01 भूस्खलन; 2025 और 2026 में 02-02 भूस्खलन।	भूस्खलन के पश्चात् सड़क साफ कर दी गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।
	84	एनएच-510 - सिंगतम-तारकू	2024, 2025, 2026	किमी 3+800, 4+200, 7+810, 7+925 और 15+820	भूस्खलन से हुए क्षति को दूर करने का कार्य शुरू हो गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				पर प्रतिवर्ष 05 भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गईं।	भूस्खलन से हुए क्षति की भरपाई के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।
	85	एनएच-510 - रावांगला से लेगशिप तक	2024, 2025	किमी 60+400 पर प्रति वर्ष 01 भूस्खलन की घटना दर्ज की गई है।	भूस्खलन के पश्चात् सड़क साफ कर दी गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।
	86	एनएच-510 - लेगशिप से ग्यालशिंग तक	2024, 2025	प्रत्येक वर्ष किमी 55+400, 58+200 और 88+200 पर 03 भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गईं।	भूस्खलन के पश्चात् सड़क साफ कर दी गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।
	87	एनएच-10 - एसटीएमसी रंगपो-रानीपूल	2023, 2024, 2025	2023 में 01 भूस्खलन, 2024 में 03 भूस्खलन और 2025 में 02 भूस्खलन/भूमि धंसने की घटनाएं।	सफाई का कार्य पूरा हो चुका है; चिन्हित स्थानों पर शमन कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	88	पुराना एनएच-510 - मौजूदा 510 का एकबारगी का रखरखाव	2026	किमी 5+540 और किमी 6+647 पर 02 भूस्खलन हुए।	भूस्खलन के पश्चात् सड़क साफ कर दी गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।
	89	मेल्ली-मानपुर-नामची रोड, एनएच-710	2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025	मानसून के दौरान कई स्थानों पर बार-बार भूस्खलन होता है।	मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है और सड़क यातायात के लिए खोल दी गई है।
	90	तारकू-दमथांग-नामची रोड, एनएच-710	2023, 2024, 2025	मानसून के दौरान कई स्थानों पर बार-बार भूस्खलन होता है।	मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है और सड़क यातायात के लिए खोल दी गई है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
त्रिपुरा	91	चुराइबारी-अगरतला खंड, किमी 397.00-422.00 (डिज़ाइन किमी 388.650-410.439), एनएच-08	2024	भू-आकृति का धंसना और भूस्खलन।	मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है और सड़क यातायात के लिए खोल दी गई है।
उत्तराखंड	92	एनएच-07 - लामेरी-कर्णप्रयाग खंड (पैकेज-1)	2023	कामेडा में, बादल फटने के दौरान किमी 384+650 से 384+750 तक लगभग 100 मीटर सड़क बह गई। चितवापिपाल में, भारी मलबा प्रवाह से किमी 393+600 से 393+650 तक की सड़क क्षतिग्रस्त हो गई।	जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो गया है।
	93	एनएच-07 - कर्णप्रयाग-चमोली खंड (पैकेज-2)	2024, 2025	2024: नंदप्रयाग में बादल फटने/अत्यधिक वर्षा/भूस्खलन, जिसके परिणामस्वरूप 418+900 से 419+150 किमी क्षेत्र में मलबा जमा हो गया। 2025: उमाट्टा (बद्रीश) में भारी भूस्खलन।	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण स्थायी जीर्णोद्धार के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) पर कार्य शुरू हो गया है।
	94	एनएच-07 - चमोली-पैनी खंड (पैकेज-3)	2023	बनेरपानी-1, पागलनाल्लाह और तंगानी-1 और 2 में भूस्खलन; बाढ़ और मलबा बहने के कारण गडोरा में सड़क बह गई।	बनेरपानी में पहाड़ी ढलानों का जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया है; घाटी ढलानों का जीर्णोद्धार कार्य शुरू हो गया है। पागलनाल्लाह में अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य शुरू हो गया है। तंगानी और गडोरा का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण
	95	एनएच-07 - पातालगंगा भूस्खलन/ढलान संरक्षण एवं सुरंग कार्य	2024	पातालगंगा भूस्खलन स्थान पर सुरंग टूट गई।	जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
	96	एनएच-58 - नंदप्रयाग, मैठाणा, बिरही और गुलाबकोटी भूस्खलन उपचार	2023, 2025	चिन्हित स्थानों पर बार-बार डूबने की सूचना मिली है।	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण स्थायी जीर्णोद्धार के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) पर कार्य शुरू हो गया है।
	97	एनएच-07 - 5 भूस्खलनों और 5 धंसने वाले क्षेत्रों के लिए शमन उपाय (एसपीडब्ल्यू-II)	2025	बनेरपानी-2 में भारी भूस्खलन और सड़क का बह जाना।	जीर्णोद्धार का कार्य शुरू कर दिया गया है।
	98	गंगोत्री-उत्तरकाशी, एनएच-34	2023, 2024, 2025, 2026	नेटाला (किमी 87) के पास भूस्खलन हुआ, जिससे पहाड़ी ढलान का बड़ा हिस्सा ढह गया।	मलबा हटा दिया गया है और ढलान की स्थायी सुरक्षा का कार्य शुरू कर दिया गया है।
	99	उत्तरकाशी-ऋषिकेश, एनएच-34	2023, 2024, 2025	बरेठी, नालूपानी, बंदरकोट, रातूरीसेरा, जसकोट, धुआंधार, बगड़धार, नरेंद्रनगर और जाजल में भूस्खलन के कारण ढलान टूट गई, मलबा बह गया और यातायात बाधित हुआ।	मलबा हटा दिया गया; सुरंग और ढलान संरक्षण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	100	ऋषिकेश-माना, एनएच-7	2023, 2024, 2025, 2026	सिरोबगड़, तोताघाटी, फरासू, तीनधारा, सिंगटोली, लांबागढ़, देवप्रयाग, साकनीधार और हाथीपहाड़ में भारी भूस्खलन/मलबा; हाथीपहाड़ में नदी-प्रेरित घाटी-किनारे ढलान की अस्थिरता।	मलबा हटा दिया गया; सुरंग और ढलान संरक्षण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	101	ज्योलिकोट-कर्णप्रयाग, एनएच-109	2023	क़वारब (55 किमी) के पास पहाड़ी और घाटी के किनारों पर भारी भूस्खलन हुआ।	मलबा हटा दिया गया; भूस्खलन की रोकथाम और ढलान संरक्षण के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
	102	हर्बर्टपुर-बरकोट, एनएच-507	2023, 2024, 2025	बोसन (किमी 25) के पास पहाड़ी और घाटी के किनारों पर भारी भूस्खलन हुआ।	मलबा हटा दिया गया; भूस्खलन की रोकथाम और ढलान संरक्षण के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	103	ट्युनी-मलेथा, एनएच-707ए	2023, 2024, 2025	जीवन आश्रम (किमी 138) और मसूरी मोड़ (किमी 136) के पास भारी भूस्खलन और धंसाव।	मलबा हटा दिया गया; भूस्खलन की रोकथाम और ढलान संरक्षण के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	104	कोटद्वार-पौड़ी, एनएच-534	2022, 2023, 2024, 2025	5वें माइल के पास भारी भूस्खलन।	मलबा हटा दिया गया; ढलान संरक्षण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
	105	धरासु मोड़-यमुनोत्री, एनएच-134	2023, 2024, 2025	डाबरकोट (किमी 79) और धरासु मोड़ (किमी 0) के पास भारी भूस्खलन और चट्टानें।	मलबा हटा दिया गया; ढलान संरक्षण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
	106	रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड, एनएच-107	2023, 2024, 2025	कुंड के पास सड़क बह जाने और मेदानपुर, कुंड बैराज, मुनकुतिया और गुप्तकाशी के पास भूस्खलन की घटनाएं।	सड़क और तटबंध की मरम्मत कर दी गई है; ढलान संरक्षण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	107	पिथौरागढ़-लिपुलेख, एनएच-9	2023, 2024, 2025, 2026	इलागाड (किमी 102), टिंटोला (किमी 113) और जुम्मा (किमी 101) के पास भारी भूस्खलन।	मलबा हटा दिया गया; ढलान की सुरक्षा के लिए लगाए गए उपाय हटा दिए गए।
पश्चिम बंगाल	108	एनएच-717ए - पैकेज-आईवीए	2025	भूस्खलन और सड़क के आकार कम होने से 0.210 किमी का क्षेत्र प्रभावित हुआ है।	जीर्णोद्धार का कार्य शुरू कर दिया गया है।
	109	एनएच-10 - एसटीएमसी (कोरोनेशन ब्रिज-रंगपो) / आर्मी कैंटोनमेंट-कोरोनेशन और पीबीएमसी (कोरोनेशन-रंगपो)	2025, 2026	2025: किमी 0.900 और किमी 45.500 के बीच कई स्थानों पर 11 भूस्खलन, जिससे 1.640 किमी क्षेत्र प्रभावित हुआ। 2026: किमी 3.7 और किमी 51.80 के बीच कई	जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				स्थानों पर 18 भूस्खलन, जिससे 3.530 किमी क्षेत्र प्रभावित हुआ।	
	110	एनएच-110 - पीबीएमसी/एसटीएमसी, दार्जिलिंग मोरे-कुर्सियोंग-कुर्सियोंग-दार्जिलिंग	2025, 2026	2025: किमी 46.00, 53.00 और 54.00 पर 3 भूस्खलन, जिससे 0.100 किमी क्षेत्र प्रभावित हुआ। 2026: किमी 24.850, 25.500, 38.000 और 39.900 पर 4 भूस्खलन, जिससे 0.190 किमी क्षेत्र प्रभावित हुआ।	जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया।

*****